Result Mitra IAS/PCS Daily Magazine Content

USSR का विघटन

➢ हालिया संदर्भ :

- 25 दिसंबर 1991 को सोवियत संघ का झंडा क्रेमलिन पर आखिरी बार झुका था, जो सोवियत समाजवादी गणराज्य संघ (USSR) के विघटन का चिन्ह था।

➢ सोवियत संघ का गठन :

- USSR की उत्पत्ति 1917 की रूसी क्रांति से हुई थी, जिसने रोमानोव राजवंश का अंत किया।
- रोमानोव एक निरंकुश राजशाही था, जिसमें जार (सम्राट) सर्वोच्च होता था।
- निरंकुश शासन के प्रति विरोध प्रदर्शन हुए, फलत: मार्च 1917 में जार का राजशाही समाप्त हो गया।
- इसके बाद एक अनंतिम सरकार स्थापित हुई लेकिन मेंशेविकों एवं बोल्शेविकों एवं अनंतिम सरकार के बीच मतभेद गहराते रहे।
- अक्टूबर क्रांति के बाद लेनिन एवं ट्रॉटस्की ने कम्युनिस्ट क्रांति का नेतृत्व किया एवं USSR का समाजवादी स्वरूप प्रदान किया।
- लेनिन सरकार के प्रमुख नियुक्त किए गए लेकिन बोल्शेविक विरोधी ताकतों के साथ खूनी संघर्ष 1922 तक चलता रहा।
- *** अंतत: 30 दिसंबर 1922 को USSR की औपचारिक घोषणा हुई, जो इतिहास में पहले साम्यवादी राज्य की स्थापना के रूप में उल्लेखित है।

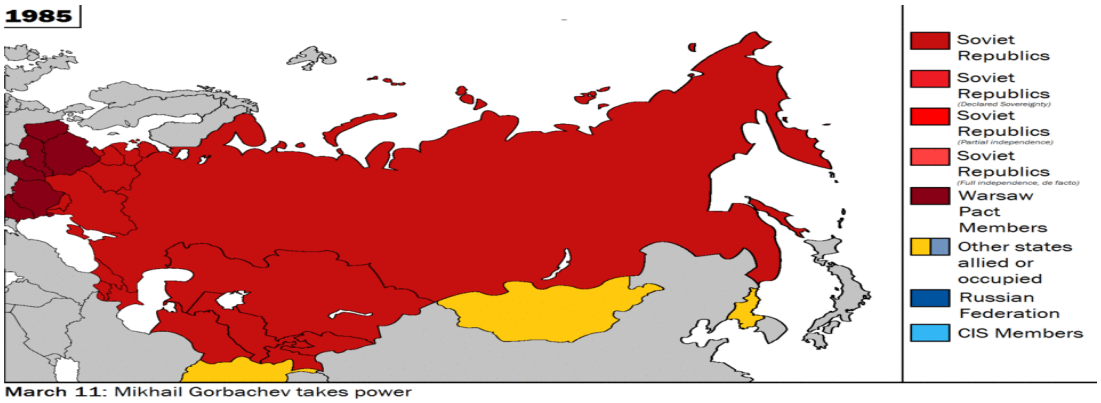

March 11: Mikhail Gorbachev takes power

➢ प्रथम एक–पार्टी राज्य :

- *** शुरुआती प्रतिद्वंद्विता एवं संघर्ष के बाद विरोधी ताकतें समाप्त हो गई, जिससे USSR में एक पक्षीय (राजनीतिक दल) राज्य की स्थापना हुई।
- USSR ने पंचवर्षीय योजना लागू कर कृषि–अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान किया एवं बाद में उद्योगों को बढ़ावा देकर औद्योगिक महाशक्ति के रूप में उभरा।
- इसके अलावा USSR में बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक एवं शैक्षिक कार्यक्रम चलाए गए, साथ ही स्वास्थ्य एवं महिलाओं के लिए समान अधिकार के लिए भी प्रगतिशील रुख अपनाया।

➢ *** USSR काल के प्रमुख नेता :

क्रम	नाम	कार्यकाल
1	जोसेफ स्टालिन	1984-1953
2	निकिता ख्रुश्चेव	1953-1964
3	लियोनिद ब्रेजनेव	1964-1982
4	मिखाइल गोर्बाचेव	1985-1991

➢ भिन्न दृष्टिकोण :

1. स्टालिन :

- इसके समय में USSR तेजी से केंद्रीकृत होता गया।
- द्वितीय विश्व–युद्ध में हिटलर (जर्मनी) पर USSR के जीत ने स्टालिन को राष्ट्रीय–नायक बना दिया।

2. निकिता ख्रुश्चेव :

- इसने भी स्टालिनवादी विचारधाराओं को जारी रखा।
- इसका 'वर्जिन लैंड प्रोग्राम' उल्लेखनीय रहा, जिसका उद्देश्य मध्य एशिया एवं दक्षिणी साइबेरिया में नई भूमि पर खेती करना तथा पश्चिम के साथ सह–अस्तित्व को बढ़ाना था।
- इसके शासनकाल में USSR उपभोक्ता–उन्मुख समाज बना, साथ ही भौतिक संस्कृति का भी उदय हुआ।

3. लियोनिद ब्रेजनेव :

- इसके काल में USSR वैश्विक महाशक्ति बनके उभरा एवं आंतरिक स्थिरता प्राप्त की।
- इसका शासनकाल आर्थिक ठहराव एवं साहसिक सुधारों की कमी वाला रहा।

4. मिखाइल गोर्बाचेव :

- इन्होंने जब सत्ता संभाली, तब USSR परिवर्तन के कगार पर खड़ा था।

- इनके ग्लासनोस्ट (खुलापन) एवं पेरेस्त्रोइका (पुनर्गठन) का लोगों द्वारा विरोध किया गया क्योंकि ये नीतियां USSR को पश्चिमी विचारों एवं सांस्कृतिक मूल्यों के लिए खोलने जैसा था।
- इन्होंने राजनीति के लोकतांत्रिक स्वरूप लाने के उद्देश्य से 1989 में प्रतिस्पर्धी चुनाव करवाया एवं 1990 में USSR में 'राष्ट्रपति' पद का सृजन किया तथा स्वयं इस पद को धारण किया।

➢ अलगाववाद की हवा :

- गोर्वाचन की नीतियां उल्टे दांव वाली साबित हुई एवं इसने राष्ट्रवादी आंदोलनों को जन्म दिया।
- लिथुआनिया, यूक्रेन एवं काकेशस जैसे गणराज्यों ने आंदोलन का नेतृत्व किया, जो आंतरिक अशांति का कारण बना।
- बोरिस येल्तसिन के नेतृत्व में राष्ट्रवादी विचारधारा को तीव्रता मिली। ये 1991 में USSR के राष्ट्रपति बने एवं संघ की नीतियों से स्वतंत्र होकर कार्य करने लगे।

➢ आंतरिक दोष एवं बाहरी दबाव :

- 1980 के दशक के अंत तक USSR को अंदर-बाहर दोनों चुनौतियों का सामना करना पड़ा।
- गोर्बाचेव ने नए संविधान के तहत USSR को 'संप्रभु राज्यों के स्वैच्छिक संघ' में बदलने की कल्पना तो की, लेकिन इसमें काफी देर हो गई थी।
- *** पोलैंड, हंगरी एवं चेकोस्लोवाकिया (पूर्वी ब्लॉक के देश) एवं बाल्टिक राज्यों (लाटविया, लिथुआनिया एवं एस्टोनिया) सहित यूक्रेन एवं काकेशस ने आंतरिक शांति को भंग करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- बाल्टिक राज्यों एवं यूक्रेन तथा काकेशस ने स्थिति को तब ज्यादा बिगाड़ दिया, जब उन्होंने स्वतंत्रता की घोषणा कर दी।
- USSR एवं USA के बीच शीत युद्ध के तनाव ने स्थिति को ज्यादा बिगाड़ दिया, जो पूंजीवादी एवं समाजवादी मूल्यों पर एक–दूसरे को प्रभावित कर रही थी।
- हथियारों की होड़, परमाणु कार्यक्रम, वियतनाम युद्ध में समर्थन तथा अफगानिस्तान सहित कई देशों में छद्म में युद्ध ने USSR की आर्थिक स्थिति को कमजोर कर दिया।
- 1989 में अफगानिस्तान से हार कर वापस लौटना एवं 1990 में बर्लिन की दीवार के टूटने की घटना ने USSR का विघटन सुनिश्चित कर दिया।

➢ विघटन की रूपरेखा :

- अगस्त 1991 में कम्युनिस्ट कट्टरपंथियों द्वारा तख्तापलट का प्रयास किया गया, लेकिन यह सफल नहीं हुआ।
- घटना के बाद कम्युनिस्ट पार्टी पर प्रतिबंध लगा दिया गया एवं एक-एक करके सोवियत गणराज्यों ने स्वतंत्रता की घोषणा करनी शुरू कर दी।
- *** सबसे पहले लिथुआनिया ने स्वतंत्रता की घोषणा की, जिसका साथ अन्य बाल्टिक देशों ने दिया।
- 8 दिसंबर 1991 को रूस, बेलारूस एवं यूक्रेन के प्रमुखों ने USSR को औपचारिक रूप से भंग करने एवं 'स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्रमंडल' (CIS) बनाने के लिए बैठक की।

- 21 दिसंबर 1991 को अन्य 8 राज्यों (देशों) ने CIS में जुड़ने की इच्छा जताई, लेकिन बाल्टिक देशों एवं जॉर्जिया ने इससे बाहर रहने का विकल्प चुना।

  Note :– USSR बाल्टिक सागर एवं कला सागर से लेकर प्रशांत महासागर तक फैला हुआ था।

➢ USSR से अलग हुए प्रमुख देश :

1. आर्मेनिया
2. अज़रबैजान
3. तुर्कमेनिस्तान
4. यूक्रेन
5. बेलारूस
6. उज़बेकिस्तान
7. माल्डोवा
8. पाकिस्तान
9. जॉर्जिया
10. एस्टोनिया
11. कजाकिस्तान
12. लाटविया
13. लिथुआनिया
14. किर्गिस्तान

Result Mitra

MCQ–1 : उन बाल्टिक राज्यों की पहचान करें, जो पूर्व में USSR के भाग थे –

1. लिथुआनिया
2. फ़िनलैंड
3. बेलारूस
4. एस्टोनिया
5. लाटविया

a) केवल 1, 3, 4 एवं 5
b) केवल 1, 2, 4 एवं 5
c) केवल 2, 3 एवं 4
d) केवल 1, 4 एवं 5

Ans.–(d)

हम आपको रिजल्ट देने आये हैं.

Result Mitra

1- UPSC(IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.

2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹

3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹

4- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹

5- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

कोर्स या Test Series के लिए

WhatssApp कीजिये

9235313184, 9235446806